1st SEMESTER

Paper Code - 01

प्राचीन, निर्गुण भक्तिकाव्य

(Pracheen, Nirgun Bhaktikavya)

पूर्णांक - 70

इकाई-1 विद्यापति की पदावली, सं. रामकृष्ण बेनीपुरी, पुस्तक भंडार, वाराणसी (वसंत खण्ड)

इकाई-2 पृथ्वीराज रासो - चंदबरदायी (शशिव्रता विवाह, 1-50 पद)

इकाई 3 कबीर ग्रंथावली, सं. श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

- गुरुदेव कौ अंग 1-30
- सुमिरन कौ अंग 1-30
- विरह कौ अंग एवं 1-30
- पद 1-5

इकाई- 4 पद्मावत, सं. माताप्रसाद गुप्त, भारती भण्डार, प्रयाग

क) नखशिख खण्ड

ख) सिंहलद्वीप वर्णन

इकाई-5 संतकाव्य : संतकाव्य परंपरा, संत साहित्य, काव्य कला
(संत रैदास और दादू दयाल का साहित्य)

संदर्भ ग्रंथः

1. कबीर मीमांसा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
2. कबीर - हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. संतकाव्य - पर्शुराम चतुर्वेदी, किताब महल, इलाहाबाद
4. विद्यापति - शिवप्रसाद सिंह, दिल्ली लोकभारती प्रकाशन
5. जायसी ग्रन्थावली - रामचन्द्र शुक्ल, माताप्रसाद गुप्त, वासुदेव
6. पृथ्वीराज रासो की भाषा - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. जायसी। - विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

1st SEMESTER

Paper Code - 02

सगुण भक्ति और रीतिकाव्य

(Sagun Bhakti aur Ritikavya)

पूर्णांक- **70**

इकाई-**1** भ्रमरगीतसार- सं. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (पद 21-50 तक) पुस्तक भंडार, वाराणसी

इकाई-**2** रामचरित मानस, गीताप्रेस गोरखपुर (केवल सुंदरकाण्ड')

इकाई-**3** केशव - प्रारंभ के 50 पद

रीतिकाव्य संग्रह - सं. विजयपाल सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद - 1

इकाई - **4** बिहारी - प्रारंभ के 30 दोहे

रीतिकाव्य संग्रह - सं. विजयपाल सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद- 1

इकाई-**5** घनानंद पद- 1 से 20 तक

रीतिकाव्य संग्रह - सं. विजयपाल सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद - 1

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी रीति साहित्य - भगीरथ मिश्र, राजकमल प्रकाशन
2. प्राचीन कवि - विश्वम्भर मानव, लोकभारती प्रकाशन
3. रीति-काव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, लोकभारती प्रकाशन
4. भक्तिकाव्य का समाज दर्शन - प्रेमशंकर, वाणी प्रकाशन
5. सूर- साहित्य - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, दरियागंज, नई दिल्ली
6. भक्तिकाव्य और लोक - शिव कुमार मिश्र, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

1st SEMESTER

Paper Code - 03

आधुनिक हिंदी काव्य

(Adhunik Hindi Kayya)

पूर्णांक- 70

इकाई-1	मैथिलीशरण गुप्त - साकेत (नवम सर्ग)
इकाई-2	जयशंकर प्रसाद - कामायनी (चिंता, श्रद्धा सर्ग)
इकाई-3	निराला - राम की शक्तिपूजा
इकाई-4	दिनकर - उर्वशी (तृतीय सर्ग)
इकाई-5	मुक्तिबोध - अंधेरे में
	अज्ञेय - असाध्यवीणा

संदर्भ ग्रंथ:

1. निराला - रामविलास शर्मा, शिवलाल अग्रवाल एण्ड कंपनी, आगरा
2. निराला की साहित्य साधना - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन भाग 2
3. कामायनी एक पुनर्विचार - मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन
4. निराला - परमानंद श्रीवास्तव, साहित्य अकादमी
5. साकेत एक अध्ययन - नगेंद्र, नेशनल पेपरबेक्स, दिल्ली
6. छायावाद - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
7. उर्वशी उपलब्धि और सीमा - प्रो. विजेन्द्रनारायण सिंह, परिमल प्रकाशन
8. अंधेरे में इतिहास: संरचना और संवेदना - सं. बच्चन सिंह, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहबाद

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

1st SEMESTER

Paper Code - 04

हिंदी साहित्य का इतिहास - 1 (आदिकाल, भक्तिकाल)

(Hindi Sahitya ka Itihas)

पूर्णांक- 70

इकाई-1 हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ,
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियाँ।

इकाई-2 हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण,
आदिकाल तथा भक्तिकाल का उद्भव और विकास और प्रमुख प्रवृतियाँ।

इकाई 3 सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य,
रासो साहित्य: बीसलदेव रासो, पृथ्वीराज रासो।

इकाई-4 निर्गुण भक्ति काव्य : कबीर और जायसी,
ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी भक्तिधारा की विशेषताएँ।

इकाई-5 सगुण भक्ति काव्य : सूरदास और तुलसीदास,
कृष्ण और राम भक्ति धारा की विशेषताएँ ।

संदर्भ ग्रंथः

1. साहित्य और इतिहास दृष्टि - प्रो. मैनेजर पाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का इतिहास - आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. हिंदी साहित्य का उद्‌भव - आचार्य हजारी प्रसाद द्‌विवेदी और विकास
4. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्‌विवेदी
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, लोक भारती
6. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
7. मध्यकालीन भारत राजनीति समाज और संस्कृति (आठवीं से सत्रहवीं सदी तक) - सतीश चंद्र, ओरियंट लॉग्मैन

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

1st SEMESTER

Paper Code - 05

प्रयोजनमूलक हिंदी

(Prayojanmulak Hindi)

पूर्णांक - 70

इकाई-1 हिंदी के विविध रूप :

- खड़ी बोली, हिन्दुस्तानी
- राजभाषा, राष्ट्रभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी

इकाई-2 राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान

- राजभाषा संबंधी संविधान के प्रावधान
- राजभाषा अधिनियम 1963, राजभाषा नियम 1976
- राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग से संबंधित राष्ट्रपति के आदेश एवं राजभाषा संकल्प 1968

इकाई-3 पारिभाषिक शब्दावली की परिभाषा, विशेषताएँ, निर्माण प्रक्रिया, ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र की पारिभाषिक शब्दावली

इकाई- 4 कार्यालयी हिंदी के प्रमुख प्रकार्य : टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण

इकाई- 5 व्यावहारिक अनुवाद :

(क) किसी अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद । (केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिया जाएगा)

(ख) किसी हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद । (केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिया जाएगा)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन
2. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन
3. सरकारी कार्यालयों व बैंकों में प्रयोजनशील हिंदी - अनिल कुमार तिवारी, विश्वभारती प्रकाशन, नागपुर
4. कंप्यूटर अध्ययन : एक परिचय - नरेन्द्र सिंह, अंक बुक्स हाउस, रामपुर
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - राकेश कुमार पराशर
6. प्रशासनिक हिंदी - ओंकारनाथ वर्मा
7. राजभाषा प्रशिक्षण - दान बहादुर पाठक, विश्वविद्यालय प्रकाशन
8. राजभाषा हिंदी - भोलानाथ तिवारी, प्रभात प्रकाशन
9. उत्तर आधुनिक मीडिया विमर्श -सुधीश पचौरी

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

■ इकाई 01, 02, 03 और 4 से 08 प्रश्न पूछे जाएंगे। उनमें से 04 के उत्तर लिखने होंगे। (14×4=56)

■ इकाई 05 से हिंदी और अंग्रेजी से दो-दो अवतरण दिए जाएंगे जिनमें एक हिंदी और एक अंग्रेजी का अनुवाद करना होगा । (7×2=14)

2nd SEMESTER

Paper Code - 06

हिंदी साहित्य का इतिहास - **2**

(रीतिकाल, आधुनिककाल)

(History of Hindi Literature- 2)

पूर्णांक- **70**

इकाई-**1** रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य और उनकी काव्यगत विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ।

इकाई-**2** 1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण। भारतेंदु और उनका मंडल, 19 वीं सदी की प्रमुख पत्रिकाएँ। भारतेंदु युगीन साहित्य की विशेषताएँ।

इकाई-**3** महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक, राष्ट्रीय काव्यधारा और मैथिलीशरण गुप्त ।

इकाई **-4** प्रमुख गद्य विधाओं का विकास :-
नाटक, उपन्यास, आलोचना, निबंध, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा।

इकाई-**5** छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता।

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद 1
2. रीति काव्य की भूमिका -डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
3. हिंदी का गद्य साहित्य - प्रो. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी
4. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य - रेखा अवस्थी, मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया, दिल्ली-32
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिंदी साहित्य का इतिहास - सं. डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
7. हिंदी साहित्य का इतिहास - प्रो लक्ष्मीसागर वाष्णेय, लोकभारती प्रकाशन, इल्लाहाबाद

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

2nd SEMESTER

Paper Code - 07

गद्य साहित्य (निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ)

(Gadya Sahitya)

पूर्णांक- 70

इकाई-1 निबंध निकष - सं. रामचंद्र तिवारी, विश्ववद्यिालय प्रकाशन, वाराणसी

- साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है- बालकृष्ण भट्ट
- कछुआ धरम - चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
- साहित्य में आत्माभिव्यक्ति - डॉ. नगेंद्र
- सौंदर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास- रामविलास शर्मा

इकाई-2 हिंदी के श्रेष्ठ रेखाचित्र - सं. डॉ. चौथीराम यादव, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

- बैलगाड़ी - बेढब बनारसी
- लछमा - महादेवी वर्मा
- बैसबाड़े से निराला - रामविलास शर्मा
- दंत कथाओं में त्रिलोचन - काशीनाश सिंह
- एक कुत्ता और मैना - हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई-3 आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर

इकाई-4 अन्या से अनन्या - प्रभा खेतान

इकाई-5 अरे यायावर रहेंगा याद - अज्ञेय

संदर्भ ग्रंथः

1. पितृसतत्ता के नए रूप - सं. राजेन्द्र यादव, प्रभा खेतान, अभय कुमार दुवे, राजकमल प्रकाशन
2. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार - विभुराम मिश्र ज्योतीश्वर मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिंदी गद्य विन्यास और विकास - रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
4. यात्रा साहित्य विधा: शास्त्र और इतिहास - बापूराम देशाई, विकास प्रकाशन, कानपुर
5. हिंदी यात्रा-साहित्य : स्वरूप और विकास - मुरारीलाल शर्मा, क्लासिकल पब्लिशिंग कम्पानी नई दिल्ली

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

2nd SEMESTER

Paper Code - 08

भारतीय काव्य चिंतन

(Bharatiya Kavya Chintan)

पूर्णांक- 70

इकाई-1 रस सिद्धांत (रस संप्रदाय)

रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस के अंग, रस के प्रकार ।

इकाई-2 अलंकार सिद्धांत (अलंकार संप्रदाय)

अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य,
अलंकार के प्रकार भेद ।

इकाई-3 रीति सिद्धांत (रीति संप्रदाय)

रीति की परंपरा, रीति की अवधारणा, रीति और गुण, रीति का वर्गीकरण ।

इकाई-4 ध्वनि सिद्धांत (ध्वनि संप्रदाय)

ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के भेद, शब्द शक्तियाँ।

इकाई-5 वक्रोक्ति सिद्धांत (वक्रोक्ति संप्रदाय)

वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण ।

संदर्भ ग्रंथः

1. भारतीय काव्यशास्त्र - निशा अग्रवाल, लोकभारती प्रकाशन
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन
3. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
4. रस सद्धिान्त - डॉ नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दरियागंज, नई दिल्ली
5. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली
6. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका - नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

2nd SEMESTER

Paper Code - 09

आधुनिक हिंदी साहित्य में स्त्री विमर्श

(Adhunik Hindi Sahitya Mein Stree Vimarsh)

पूर्णांक- 70

इकाई-1 महिला कथाकारों का इतिहास, स्वतंत्रतापूर्व महिला कथाकार, स्वातंत्र्योत्तर महिला कथाकार, साठोत्तरी महिला कथाकार, समकालीन महिला कथाकार

इकाई-2 उपन्यास : जिंदगीनामा - कृष्णा सोबती

इकाई-3 उपन्यास : पचपन खम्भे लाल दीवारें - उषा प्रियंवदा

इकाई-4 नयी सदी की पहचान : श्रेष्ठ महिला कथाकार - सं. ममता कालिया, लोकभारती प्रकाशन

- सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
- वापसी - उषा प्रियंवदा
- बन्तो - नमिता सिंह

इकाई-5

- महानगर की मैथिली - सुधा अरोड़ा
- चमड़े का अहाता - दीपक शर्मा
- आपकी छोटी लड़की - ममता कालिया

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रतिनिधि महिला कथा सृजन - सं. छबिल कुमार मेहेर, शबनम पुस्तक महल, कटक
2. हिंदी का गद्य साहित्य - सं. प्रो. रामचन्द्र तिवारी
3. महिला कहानीकार प्रतिनिधि कहानियाँ - सं. पुष्पपाल सिंह
4. स्वातंत्र्य पूर्व हिंदी महिला लेखिकाओं की कहानियों का अध्ययन - डॉ आलीस. वी.ए.
5. साठोत्तरी हिंदी कहानी और महिला लेखिकाएँ - डॉ. विजय वारद (रागा)
6. हिंदी की महिला उपन्यासकारों की मानवीय संवेदना - डॉ. उषा यादव
7. हिंदी कहानी और स्त्री विमर्श - उषा झा

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।

2nd SEMESTER

Paper Code - 10

दलित साहित्य

(Dalit Sahitya)

पूर्णांक- **70**

इकाई-**1** भारतीय दलित साहित्य का इतिहास, हिंदी के दलित साहित्य का इतिहास, अंबेदकर चिंतन, बौद्ध दर्शन तथा हिंदू दर्शन दलित साहित्य के संदर्भ में।

इकाई-**2** धरती धन न अपना- जगदीश चंद्र

इकाई-**3** जूठन - ओम प्रकाश वाल्मीकि (भाग - 1)

इकाई **-4** नयी सदी की पहचान : श्रेष्ठ दलित कहानियाँ

संपादक: मुद्राराक्षस, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।

- अब नहिं नाचव : राम निहोर विमल
- जीवन साथी : प्रेम कपाड़िया
- दाग दिया सच : रमणिका गुप्ता
- अस्मिता लहू-लुहान : बुद्ध शरण हंस

इकाई-**5**

- बकरी के दो बच्चे : रत्न कुमार सांभरिया
- और रास्ता खुल गया : कर्मशील भारती
- बलात्कारी : रतन वर्मा
- पैशाचिक : मुद्राराक्षस

संदर्भ ग्रंथः

1. दलित साहित्य के प्रतिमान - डॉ. एन्. सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. दलित सिविल कानून - धर्मवीर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. दलित चेतना की पहचान - सूर्यनारायण रणसुभे, वाणी प्रकाश
4. दलित साहित्य: वेदना और विद्रोह - शरण कुमार लिंभाले, वाणी प्रकाशन
5. दलित चेतना की कहानियाँ : बदलती परिभाषाएँ - राजमणि शर्मा
6. दलित दृष्टि - गेल ओमवेट, वाणी प्रकाशन
7. भारतीय दलित साहित्य - पुन्नी सिंह, परिप्रेम, वाणी प्रकाशन
8. दलित साहित्य : एक मूल्यांकन - प्रो. चमनलाल, राजपाल, दिल्ली
9. हंस अप्रैल 2015
10. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य - डॉ श्योराजसिंह बेचैन
11. दलित साहित्य अनुभव, संघर्ष और यथार्थ - ओम प्रकाश वाल्मीकि
12. दलित चिंतन का विकास - डॉ. धर्मवीर भारती

प्रश्न संबंधी सूचनाएँ

सभी इकाइयों से दीर्घ उत्तर वाले 14 अंक अथवा दीर्घ उत्तर के विकल्प में 07+07 अंकों वाले प्रश्न या व्याख्या पूछे जाएंगे।